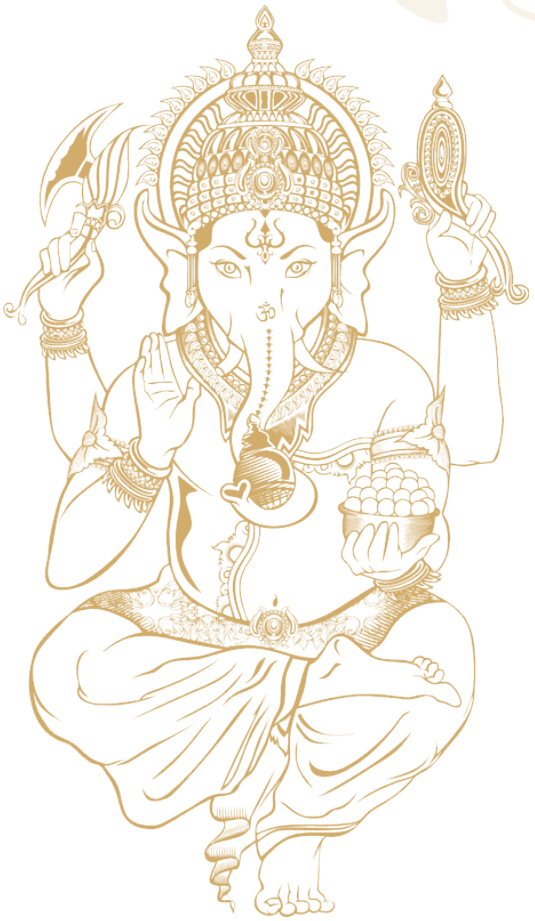

Mr. Raushan Kumar Mishra

20 Dec 2001

05:45 PM

Ara

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121442005

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
20/12/2001	जन्म तिथि	**20-21/12/2026**
गुरुवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	03:37:09 घंटे
घटी 28:00:31	जन्म समय(घटी)	52:40:59 घटी
India	देश	India
Ara	स्थान	Ara
उत्तर 25:34:00	अक्षांश	25:34:00 उत्तर
पूर्व 84:40:00	रेखांश	84:40:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:40	स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:47	सूर्योदय	06:32:45
17:04:42	सूर्यास्त	17:05:09
23:52:47	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:11

मिथुन	लग्न	तुला
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कुम्भ	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
शतभिषा	नक्षत्र	भरणी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
वज्र	योग	शिव
कौलव	करण	बव
गो-गोपाल	जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
अश्व	योनि	गज
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग
25	गत/तत्कालिक वर्ष	26

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	3	14:43:52	मिथु			लग्न			तुला	25:25:03	2	विशाखा
मूल	2	04:48:01	धनु			सूर्य			धनु	04:48:01	2	मूल
शतभिषा	1	09:08:45	कुंभ			चंद्र			मेष	20:54:00	3	भरणी
शतभिषा	3	14:35:26	कुंभ			मंगल			सिंह	13:43:58	1	पू०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	1	13:32:08	धनु		अ	बुध		अ	वृश्चि	28:10:39	4	ज्येष्ठा
आर्द्रा	4	18:19:03	मिथु	व		गुरु	व		सिंह	02:41:11	1	मघा
ज्येष्ठा	4	28:49:21	वृश्चि			शुक्र			तुला	18:42:27	4	स्वाति
रोहिणी	2	16:14:53	वृष	व		शनि			मीन	13:47:06	4	उ०भाद्रपद
मृगशिरा	3	03:15:51	मिथु	व		राहु	व		मक	27:47:02	2	धनिष्ठा
मूल	1	03:15:51	धनु	व		केतु	व		कर्क	27:47:02	4	आश्लेषा
धनिष्ठा	2	28:04:58	मक			मु			कर्क	14:43:52	4	पुष्य

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:11

लग्न-चलित

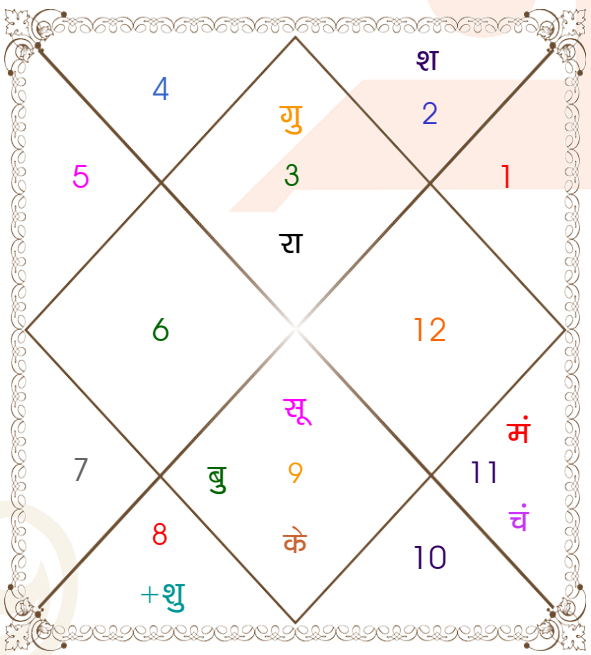

वर्ष लग्न कुंडली

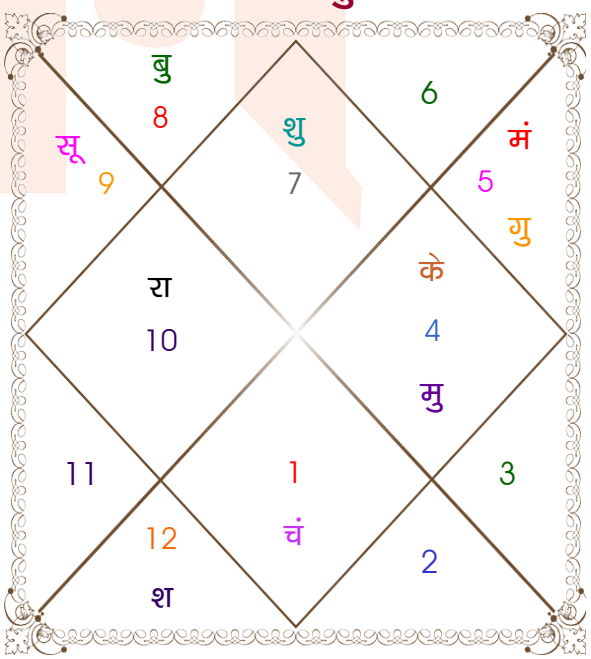

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - गुरु	
05/11/2025 06:40	
15/03/2026 03:28	
गुरु	22/11/2025 14:15
शनि	13/12/2025 03:44
बुध	31/12/2025 13:17
केतु	08/01/2026 03:06
शुक्र	29/01/2026 18:34
सूर्य	05/02/2026 06:24
चंद्र	16/02/2026 02:08
मंगल	23/02/2026 15:57
राहु	15/03/2026 03:28

गुरु - शुक्र - शनि	
15/03/2026 03:28	
16/08/2026 08:40	
शनि	08/04/2026 13:30
बुध	30/04/2026 09:50
केतु	09/05/2026 09:44
शुक्र	04/06/2026 02:36
सूर्य	11/06/2026 19:40
चंद्र	24/06/2026 16:06
मंगल	03/07/2026 16:00
राहु	26/07/2026 19:11
गुरु	16/08/2026 08:40

गुरु - शुक्र - बुध	
16/08/2026 08:40	
01/01/2027 08:16	
बुध	04/09/2026 21:49
केतु	12/09/2026 23:00
शुक्र	05/10/2026 22:56
सूर्य	12/10/2026 20:30
चंद्र	24/10/2026 08:28
मंगल	01/11/2026 09:39
राहु	22/11/2026 02:23
गुरु	10/12/2026 11:56
शनि	01/01/2027 08:16

गुरु - शुक्र - केतु	
01/01/2027 08:16	
27/02/2027 03:52	
केतु	04/01/2027 15:49
शुक्र	14/01/2027 03:05
सूर्य	16/01/2027 23:16
चंद्र	21/01/2027 16:54
मंगल	25/01/2027 00:26
राहु	02/02/2027 12:59
गुरु	10/02/2027 02:48
शनि	19/02/2027 02:42
बुध	27/02/2027 03:52

गुरु - सूर्य - सूर्य	
27/02/2027 03:52	
13/03/2027 18:31	
सूर्य	27/02/2027 21:24
चंद्र	01/03/2027 02:38
मंगल	01/03/2027 23:05
राहु	04/03/2027 03:41
गुरु	06/03/2027 02:26
शनि	08/03/2027 09:57
बुध	10/03/2027 11:37
केतु	11/03/2027 08:04
शुक्र	13/03/2027 18:31

गुरु - सूर्य - चंद्र	
13/03/2027 18:31	
07/04/2027 02:55	
चंद्र	15/03/2027 19:13
मंगल	17/03/2027 05:18
राहु	20/03/2027 20:58
गुरु	24/03/2027 02:53
शनि	27/03/2027 23:25
बुध	31/03/2027 10:12
केतु	01/04/2027 20:18
शुक्र	05/04/2027 21:42
सूर्य	07/04/2027 02:55

गुरु - सूर्य - मंगल	
07/04/2027 02:55	
24/04/2027 04:00	
मंगल	08/04/2027 02:47
राहु	10/04/2027 16:08
गुरु	12/04/2027 22:41
शनि	15/04/2027 15:27
बुध	18/04/2027 01:24
केतु	19/04/2027 01:16
शुक्र	21/04/2027 21:27
सूर्य	22/04/2027 17:54
चंद्र	24/04/2027 04:00

गुरु - सूर्य - राहु	
24/04/2027 04:00	
06/06/2027 23:55	
राहु	30/04/2027 17:47
गुरु	06/05/2027 14:02
शनि	13/05/2027 12:36
बुध	19/05/2027 17:37
केतु	22/05/2027 06:59
शुक्र	29/05/2027 14:18
सूर्य	31/05/2027 18:54
चंद्र	04/06/2027 10:33
मंगल	06/06/2027 23:55

गुरु - सूर्य - गुरु	
06/06/2027 23:55	
15/07/2027 22:57	
गुरु	12/06/2027 04:35
शनि	18/06/2027 08:38
बुध	23/06/2027 21:06
केतु	26/06/2027 03:39
शुक्र	02/07/2027 15:29
सूर्य	04/07/2027 14:14
चंद्र	07/07/2027 20:09
मंगल	10/07/2027 02:42
राहु	15/07/2027 22:57

गुरु - सूर्य - शनि	
15/07/2027 22:57	
31/08/2027 05:19	
शनि	23/07/2027 06:46
बुध	29/07/2027 20:04
केतु	01/08/2027 12:50
शुक्र	09/08/2027 05:54
सूर्य	11/08/2027 13:25
चंद्र	15/08/2027 09:57
मंगल	18/08/2027 02:43
राहु	25/08/2027 01:16
गुरु	31/08/2027 05:19

गुरु - सूर्य - बुध	
31/08/2027 05:19	
11/10/2027 14:48	
बुध	06/09/2027 02:03
केतु	08/09/2027 12:01
शुक्र	15/09/2027 09:35
सूर्य	17/09/2027 11:16
चंद्र	20/09/2027 22:03
मंगल	23/09/2027 08:00
राहु	29/09/2027 13:02
गुरु	05/10/2027 01:30
शनि	11/10/2027 14:48

गुरु - सूर्य - केतु	
11/10/2027 14:48	
28/10/2027 15:52	
केतु	12/10/2027 14:39
शुक्र	15/10/2027 10:50
सूर्य	16/10/2027 07:18
चंद्र	17/10/2027 17:23
मंगल	18/10/2027 17:15
राहु	21/10/2027 06:36
गुरु	23/10/2027 13:09
शनि	26/10/2027 05:55
बुध	28/10/2027 15:52

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।